पलवल: बाल जन्म लिंगानुपात में शीर्ष स्थान

चर्चा में क्यों?

स्वास्थ्य विभाग की एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2023 में **पलवल ज़िला** राज्य में **1,000 लड़कों के मुकाबले 946 लड़कियों के सर्वोत्तम** बाल जन्म लिंगानुपात के साथ पहले स्थान पर रहा।

- ज़िले के 25 गाँवों ने 1,000 या उससे अधिक बाल जन्म लिंगानुपात हासिल किया है।

मुख्य बिंदु:

- **वर्ष 2022 में यह ज़िला 12वें स्थान पर था।** बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत पंचकुला में आयोजित एक समारोह में उपायुक्त को 5 लाख रुपए का नकद इनाम मिला।
- जनवरी और दिसंबर 2023 के बीच ज़िले में कुल 28,989 जन्म दर्ज किये गए।
  - इस अवधि में 14,899 लड़कों के जन्म के मुकाबले लड़कियों की संख्या 14,090 थी, जिससे औसत लिंगानुपात पहली बार 946 के आँकड़े तक पहुँच गया।
- **पंचकुला और फतेहाबाद** को 942 एवं 934 के अनुपात के साथ क्रमशः **दूसरा तथा तीसरा स्थान मिला।**
- जहाँ **नूंह और गुरुग्राम चौथे एवं पाँचवें स्थान पर रहे, वहीं रोहतक** वर्ष 2023 में सिर्फ 883 के आँकड़े के साथ **सबसे नीचे रहा।**
- पलवल के पड़ोसी ज़िले **फरीदाबाद को** वर्ष 2023 में 906 के अनुपात के साथ **16वाँ स्थान** मिला।
- **वर्ष 2023 में राज्य का औसत बाल लिंगानुपात 906 था।**
  - बाल लिंगानुपात की गणना 0-6 वर्ष आयु वर्ग में प्रति 1000 लड़कों पर लड़कियों की संख्या के आधार पर की जाती है।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान

- इसे ज**नवरी 2015 में लिंग चयनात्मक गर्भपात (Sex Selective Abortion)** और गिरते बाल लिंग अनुपात (Declining Child Sex Ratio) को संबोधित करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था, जो 2011 में प्रति 1,000 लड़कों पर 918 लड़कियाँ था।
- यह महिला और बाल विकास मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय की एक **संयुक्त पहल** है।
- यह कार्यक्रम **देश के 405 ज़िलों में लागू किया जा रहा है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/palwal-top-spot-in-child-birth-sex-ratio